

स्टैंडर्ड एंड पूअर्स रेटिंग

प्रीलिमिस के लिये:

स्टैंडर्ड एंड पूअर्स रेटिंग

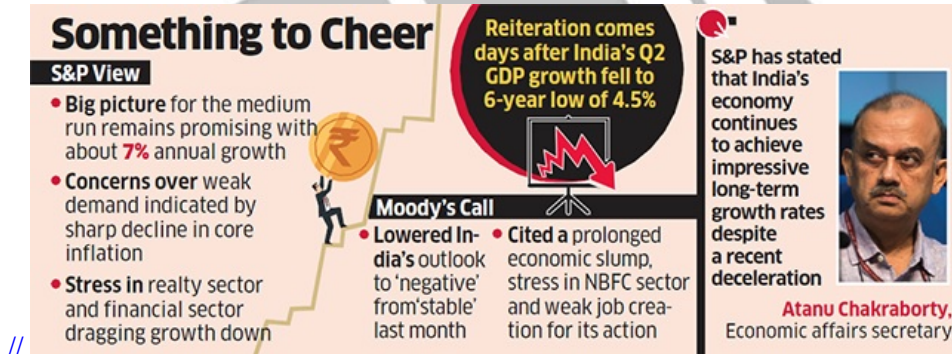
मेन्स के लिये:

क्रेडिट रेटिंग से संबंधित मुद्दे

चर्चा में क्यों?

अंतरराष्ट्रीय क्रेडिट रेटिंग एजेंसी स्टैंडर्ड एंड पूअर्स (Standard and Poors- S&P) ने भारत की संप्रभु रेटिंग (Sovereign Rating) को 'स्थिर' दृष्टिकोण के साथ BBB- पर कायम रखा।

प्रमुख बटु:



Something to Cheer

S&P View

- Big picture for the medium run remains promising with about 7% annual growth
- Concerns over weak demand indicated by sharp decline in core inflation
- Stress in realty sector and financial sector dragging growth down

Moody's Call

- Lowered India's outlook to 'negative' from 'stable' last month
- Cited a prolonged economic slump, stress in NBFC sector and weak job creation for its action

Reiteration comes days after India's Q2 GDP growth fell to 6-year low of 4.5%

S&P has stated that India's economy continues to achieve impressive long-term growth rates despite a recent deceleration

Atanu Chakraborty,
Economic affairs secretary

- [स्टैंडर्ड एंड पूअर्स](#) एजेंसी द्वारा जारी रपॉर्ट के अनुसार, अर्थव्यवस्था में गरिवट के बावजूद भारत ने दीर्घावधिवृद्धिदर (Longterm Growth Rate) को बनाए रखा है।
- इस एजेंसी के अनुमान के अनुसार, भारतीय अर्थव्यवस्था अगले दो वर्षों में अपने समकक्ष अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में अच्छा प्रदर्शन करेगी।
- हाल ही में एक अन्य वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजेंसी [मुडीज](#) ने भारत के रेटिंग परदृश्य को 'नकारात्मक' कर दिया था।
- BBB रेटिंग कसिी इकाई की अपनी वित्तीय प्रतबिद्धताओं को पूरा करने की पर्याप्त क्षमता को प्रदर्शति करती है।
- हालाँकि प्रतकूल आर्थिक परस्थितियों में उसकी वित्तीय प्रतबिद्धताओं को पूरा करने की क्षमता कमजोर पड़ सकती है।

स्रोत- बज़िनेस स्टैण्डर्ड

